भावी उद्यमियों के लिए आईसीएआर-एनआईएनएफईटी, कोलकाता में "जूट की ब्लीचिंग और रंगाई" पर स्व-प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन

22 मई, 2023, कोलकाता:

आईसीएआर-एनआईएनएफईटी, कोलकाता में 22 मई, 2023 को "जूट के विरंजन और रंगाई" पर पांच (22-26 मई, 2023) दिनों के स्व-प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों से पंद्रह (15) प्रशिक्षु जुड़े हुए हैं। जूट/ प्राकृतिक फाइबर उत्पादों के निर्माण और जूट मिलों ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में ब्लीचिंग, विरंजन के प्रकार, रंगाई, रंगाई के विभिन्न प्रकार, मूल्य वर्धित उत्पादों यानी यार्न, कपड़े, जेडीपी आदि तैयार करने के लिए ब्लीचिंग और रंगाई के फायदे पर सिद्धांत और व्यावहारिक दोनों वर्ग शामिल होंगे।

उद्घाटन कार्यक्रम में डॉ. डी. बी. शाक्यवार, निदेशक आईसीएआर-एनआईएनएफईटी ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और अपने संबोधन में उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कैसे संस्थान विकसित प्रौद्योगिकी और ज्ञान विभिन्न हितधारकों को एक प्रभावी और कुशल तरीके से अधिकतम लाभ के लिए हस्तांतरित किया जाएगा। हितधारकों। निदेशक यह भी संबोधित करते हैं कि बुनियादी विज्ञान और विशेष रूप से विरंजन और रंगाई पर प्रौद्योगिकी के पीछे के सिद्धांत को कवर किया जाना चाहिए और प्रशिक्षुओं और इससे जुड़े विभिन्न मापदंडों को पढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने विशेषज्ञ को प्रक्षालित और रंगी वस्तुओं के बीआईएस के अनुसार प्रदर्शन परीक्षण को कवर करने का भी सुझाव दिया।

उद्घाटन कार्यक्रम पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रधान वैज्ञानिक और समन्वयक डॉ. वी. बी. शंभू के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ संपन्न हुआ।

(स्रोत: आईसीएआर-एनआईएनएफटी, कोलकाता)

Inauguration of Self-Sponsored training programme on *"Bleaching and Dyeing of Jute"* at ICAR-NINFET, Kolkata for prospective entrepreneurs

May 22, 2023, Kolkata:

A five (May 22-26, 2023) days self sponsored training programme on "Bleaching and Dyeing of Jute" is inaugurated at ICAR-NINFET, Kolkata on May 22, 2023. Fifteen (15) trainees from different districts of West Bengal associated with manufacture of jute/natural fibres products and jute mills have participated in this training programme. The training programme will consist of both theory and practical class on bleaching, types of bleaching, dyeing, different types of dyeing, advantages of bleaching and dyeing for preparing value added products i.e., yarn, fabrics, JDP etc.

In the inaugural programme Dr. D. B. Shakyawar, Director ICAR-NINFET welcomed all the participants and in his address, he emphasized on how the institute developed technology and knowledge will be transfer to various stakeholders in an effective and efficient manner for the maximum benefit to the stakeholders. The Director also addresses that the basic science and the principle behind the technology specially on bleaching and dyeing should be covered and taught to the trainees and the various parameters associated with it. He also suggested the expert to cover the performance test according to BIS of the bleached and dyed items.

The inaugural program concluded with a vote of thanks from Dr. V. B. Shambhu, Principal Scientist and coordinator of the five days training programme.

(Source: ICAR-NINFET, Kolkata)